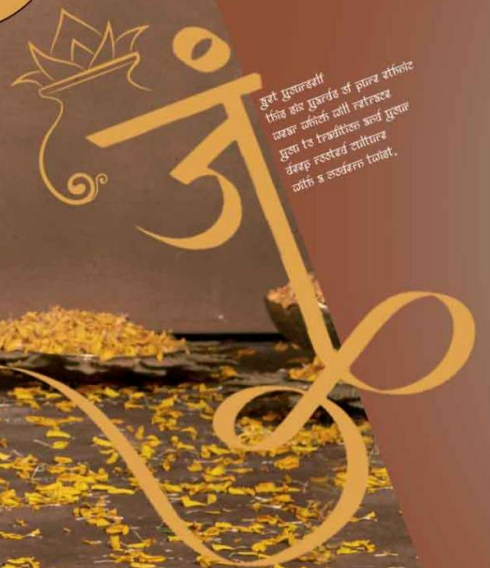




Symphony



D.NO/ 1090



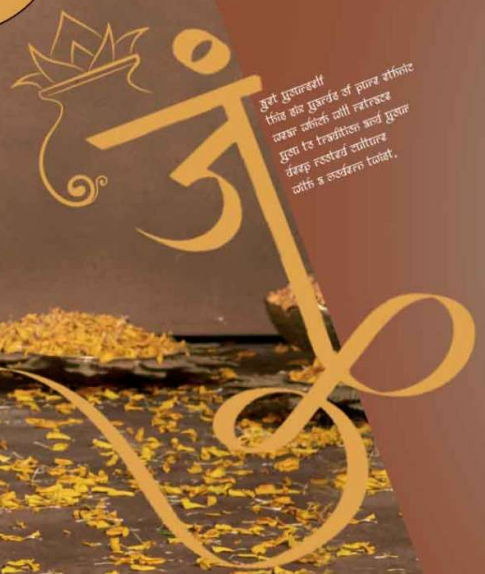
हैत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता



Symphony



D.NO/ 1089



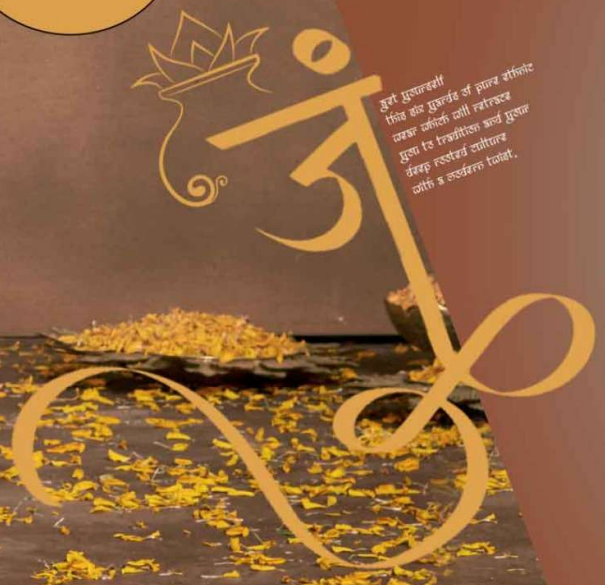
हरी धरतीवर हीन हो गुणों से पूरा रहित, जहाँ जहाँ भी रहेंगे, जहाँ है त्रुटि और गलत, जहाँ है सभ्यता, जहाँ है सभ्यता, जहाँ है सभ्यता।
From the earth, where we are incomplete, where there is error and wrong, where there is civilization, where there is civilization, where there is civilization.



Symphony



D.NO/ 1088

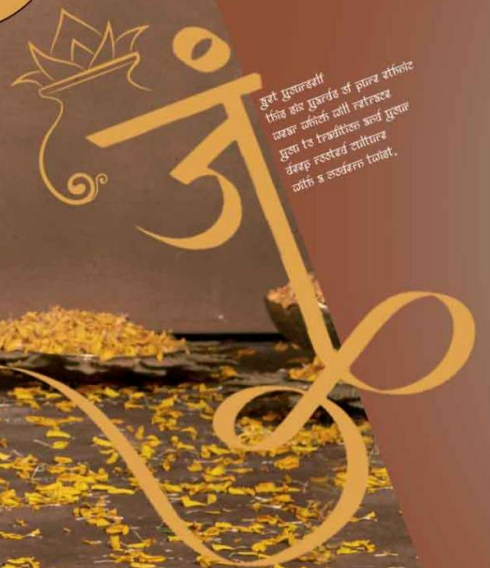




Symphony



D.NO/ 1087



हैत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता
हैत अत गुणवत्ता अत गुणवत्ता